यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने ईज़ सुधारों में दूसरा स्थान प्राप्त किया

- वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ग्राहक केन्द्रित दृष्टिकोण, आधुनिक तकनीकों और व्यापक डिजिटल चैनलों/उत्पादों को अपनाते हुए एकीकृत और समावेशी बैंकिंग कार्यनिष्पादन की प्रमुख विशेषता थी.

मुंबई, 10 नवंबर, 2022: भारतीय बैंक संघ (आईबीए) द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के लिए ईज़ सुधार सूचकांक पर रिपोर्ट के अनुसार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए निर्धारित सुधारों को अपनाने में दूसरा सर्वश्रेष्ठ बैंक है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों की सेवा हेतु विभिन्न डिजिटल यात्राओं को सक्षम करने में, व्यक्तिगत पेशकश तथा ग्राहकों तक तत्परता से पहुंचने के लिए एनालिटिक्स और बिग डाटा क्षमताओं को अपग्रेड करने, एकीकृत बैंकिंग अनुभव के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षमताओं को अपनाने, उच्च दक्षता के लिए सहयोगी बैंकिंग, कर्मचारी विकास और बेहतर संचालन उपायों से संबन्धित क्षेत्रों में अच्छा कार्यनिष्पादन किया है जिसके परिणामस्वरूप बैंक की रैंक में दो पायदान का सुधार देखा गया है.

सार्वजनिक क्षेत्र बैंक के कार्यनिष्पादन का ईज़ 5.0 के तहत पाँच विषयों पर मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने दो विषयों यानि 'आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षमताओं तथा कर्मचारी विकास एवं संचालन' के तहत बेंचमार्क स्थापित किया है. बैंक ने "डिजिटल रूप से सक्षम ग्राहक पेशकश" विषय में प्रथम रनर अप भी हासिल किया है.

बेहतर पहुँच एवं सेवा उत्कृष्टता (ईज़) पीएसबी सुधार एजेंडा के हिस्से के रूप में डीएफ़एस (भारत सरकार) द्वारा एक पहल है और वर्तमान में यह उन्नत डिजिटल अनुभव, एकीकृत और समावेशी बैंकिंग पर केन्द्रित है.

****